

This question paper contains 1 printed page.

December, 2021

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121302312 / C-304
Name of the Paper	:	काव्यप्रकाश Kavyaparakasa
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), EC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.

1. कवि में निहित कौन से वैशिष्ट्य उसे काव्यनिर्माण में समर्थ बनाते हैं? काव्यप्रकाश के आधार पर शास्त्रीय समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।
What merits in a poet enables him to create poetry? keeping Kavyaparakasha in view present a shastric analysis.
2. मुख्यार्थबाधादि तीन हेतुओं से परिचालित शब्दव्यापार की सविस्तर मीमांसा कीजिए।
Discuss in detail the power of word driven by three factors of मुख्यार्थबाध etc.
3. आर्थी व्यंजना को उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
Elucidate आर्थी व्यंजना with the help of examples.
4. क्या आप रससूत्र की अभिनवगुप्तकृत व्याख्या से सहमत हैं? यदि हाँ, तो क्यों?
Do you agree with the Rasasutra as explained by Abhinavagupta? If yes, why?
5. मध्यमकाव्य के आठ प्रमुख भेदों को उनके उदाहरणों के आलोक में स्पष्ट कीजिए।
Explain eight principle types of मध्यमकाव्य with the support of concerned examples.
6. अन्विताभिधानवादसम्मत अभिधा में व्यंजना का अन्तर्भाव सम्भव नहीं है, सयुक्तिक समीक्षा कीजिए।
Logically analyze how vyanjana can't be included within the Abhidha of अन्विताभिधानवाद.